१४२८ सालक पर्व सूची

पर्व	तिथि	पर्व	तिथि
मौना पंचमी	१० जुलाई	नवान्न पार्वण	२६ नवम्बर
सोमवती अमावास्या	२० जुलाई	सामा विसर्जन	२९ नवम्बर
मधुश्रावणी व्रत	२३ जुलाई	षा० रविव्रतारम्भ	२९ नवम्बर
नागपञ्चमी	२५ जुलाई	नवान्न पार्वण	३० नवम्बर
रक्षाबन्धन	३ अगस्त	सोमवती अमा०	१४ दिसम्बर
कृष्णाष्टमी व्रत	११ अगस्त	विवाह पंचमी	१९ दिसम्बर
स्वतंत्रता दिवस	१५ अगस्त	गीता जयन्ती	२५ दिसम्बर
हरितालिका व्रत	२१ अगस्त	दशतारकारम्भ	११ जनवरी
चौठचन्द्र व्रत	२२ अगस्त	मकर संक्रान्ति	१४ जनवरी
इन्द्रपूजारम्भ	३० अगस्त	दशतारकान्त	२१ जनवरी
अनन्त १४ व्रत	१ सितम्बर	गणतंत्र दिवस	२६ जनवरी
अगस्त्यार्घदान	२ सितम्बर	नरक निवारण १४ व्रत	१० फर०
पितृपक्षारम्भ	२ सितम्बर	माघी मौनी अमा०	११ फरवरी
जिमूतवाहन व्रत	१० सितम्बर	सरस्वती पूजा	१६ फरवरी
पितृपक्षान्त	१७ सितम्बर	अचला सप्तमी	१९ फरवरी
विश्वकर्मा पूजा	१७ सितम्बर	महाशिवरात्रि व्रत	११ मार्च
गाँधी जयन्ती	२ अक्टूबर	होलिकादहन	२८ मार्च
कलशस्थापन	१७ अक्टूबर	होली	२९ मार्च
बेलनौती	२२ अक्टूबर	सोमवती अमावास्या	१२ अप्रैल
निशापूजा	२३ अक्टूबर	वा० नवरात्रारम्भ	१३ अप्रैल
महाष्टमी व्रत	२४ अक्टूबर	जूड़शीतल	१५ अप्रैल
महानवमी व्रत	२५ अक्टूबर	वा० छठि व्रत	१८ अप्रैल
विजयादशमी	२६ अक्टूबर	रामनवमी	२१ अप्रैल
कोजागरा	३० अक्टूबर	वा० विजयादशमी	२२ अप्रैल
धनतेरस	१२ नवम्बर	षा० रविव्रतान्त	२५ अप्रैल
काली पूजा	१४ नवम्बर	जानकी नवमी	२० मई
दियावाती	१४ नवम्बर	वटसावित्री व्रत	१० जुन
भ्रातृ द्वि०, चित्रगुप्तपूजा	१६ नवम्बर	गंगा दशहारा	२० जुन
छठि व्रत	२० नवम्बर	जगन्नाथ रथ यात्रा	१२ जुलाई
अक्षय नवमी	२३ नवम्बर	हरिशयन ११ व्रत	२० जुलाई
देवोत्थान एकादशी	२५ नवम्बर	आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा	२४ जुलाई

१४२८ सालक पदाधिकारी

वर्षक नाम प्रमाथी अछि । जकर राजा मंगल आ मंत्री शुक्र छथि । पालक मंगल आ मेघाधिप चन्द्र छथि । तोयाधिप मंगल आ शस्याधिप सूर्य छथि । लोकाधिप शनि, संवर्त्तको नामक मेघ अछि । जकर फलाफल वर्षा-९ आ धान्य-१३ होयत ।

१४२८ सालक शुद्ध समय

उपनयनक दिन : २०२१ ई० मे अप्रैल–२३ । मई–१३, २१, २३ । जून–२०, २१ । जुलाई–१२, १४ ।

विवाहक दिन : २०२० ई० मे दिसम्बर–२, ६, ७, १०, ११, १४ । २०२१ ई० मे फरवरी–१७, १९, २१ । अप्रैल–१६, २३, २५, २६, ३० । मई–२, ३, ७, ९, १२, १३, २१, २३, २४, २६, ३०, ३१ । जून–४, ६, ११, २०, २१, २४, २५, २७, २८ । जुलाई–१, ४, ७, १४, १५ ।

द्विरागमनक दिन : २०२० ई० मे दिसम्बर–२, ३, ४, १४ । २०२१ ई० मे फरवरी–१७, १९, २१, २२ (प्र०व०), २४ (प्र०व०), २५ (प्र०व०), २८ (प्र०व०) । मार्च–१ (प्र०व०), ३ (प्र०व०) । अप्रैल–१६, १८, १९, २६, २८, २९, ३० । मई–१२, १३ ।

मुण्डनक दिन : २०२० ई० मे नवम्बर–२७ । दिसम्बर–२, ३ । २०२१ ई० मे जनवरी–१८, २० । फरवरी–२२, २५ । मार्च–१, ३ । अप्रैल–१९ । मई–१३, १७, २१, २४, ३१ । जून–२१ ।

काल : अग्रहण सँ माघ–पूब, फाल्गुन सँ बैशाख–दक्षिण ।
ज्येष्ठ सँ श्रावण–पश्चिम, भादव सँ कार्तिक–उत्तर ।

	सिद्धयादियोग				अधपहरा		दिशगूल
दिन	सिद्धयोग	अमृतयोग	मृत्युयोग	अधमयोग	दिनमे	रातिमे	दिशा
रवि	३।०८।१३	५।१०।१५	१।०६।११	१२	४।५	४।६	प०
सोम	१।०६।११	५।१०।१५	२।०७।१२	११	२।७	४।७	पू०
मंगल	३।०८।१३	२।०७।१२	१।०६।११	१०	२।६	०।२	उ०
बुध	२।०७।१२	१।०६।११	३।०८।१३	३	३।५	५।७	उ०
वृह०	५।१०।१५	३।०८।१३	४।०९।१४	६	७।८	५।८	द०
शुक्र	१।०६।११	४।०९।१४	२।०७।१२	२	३।४	०।३	प०
शनि.	४।०९।१४	१।०६।११	५।१०।१५	७	१।६।८	१।६।८	पू०

आनन्दादि योग विचार

दिन तथा योग क्रमानुसार गणनीय रवि–अश्विनी, सोम–मृगशिरा, मंगल–श्लेषा, बुध–हस्त, वृहस्पति–अनुराधा, शुक्र–उत्तराषाढ, शनि–शतभिषासँ आरम्भ कय अभिजित सहित २८ आनन्दादि योगांक होइत अछि। योगांक १,४,५,८,११,१२,१३,१४,१९,२०,२१,२७,२८, शुभ ३,७,२६ ओ शेष अशुभ योग ज्ञातव्य ।

शिववास तिथि शुक्ल–२, ५, ६, ९, १२, १३ कृष्ण–१, ४, ५, ८, ११, ३०

१४२८ सालक राशिफल

मेष–चु, चे, चा, ल, लि, लु, ले, लो, अ।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष सामान्य सुखदायी रहत। अन्य वर्षक अपेक्षा ई वर्ष धन-धान्य, जमीन, वाहन तथा सुख-शान्ति देबऽ वाला रहत। परिवारमे मांगलिक कार्य होएत। अष्टम स्थानमे केतु रहबाक कारण पेट संबंधी रोग, शारीरक कष्ट होएत। मंगलक व्रत आ हनुमानजीक आराधना कएला सँ राहत भेटत।

वृष–ई, उ, ए, ओ, ब, बि, बु, बे, बो।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष मिश्रित फलदायी रहत। पेट संबंधी रोग आ अपन लोग द्वारा अपमानक योग बनल रहत। माता-पिताक स्वास्थ खराब रहत। संतानक दायित्व पूर्ण करबामे सफल होएब। शुक्रक व्रत कएला सँ कष्टक निवारण होएत।

मिथुन–क, कि, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष सामान्य फलदेबवाला रहत। शनिक ढैयाक कारण जहाँ मानसिक अशान्ति, स्वास्थ खराब आ सामाजिक, आर्थिक नुकसान होएत। धनार्जनक अपेक्षा धनक अपव्यय अधिक होएत। गणेशजीक उपासना कएला सँ राहत भेटत।

कर्क–हि, हु, हे, हो, ड, डा, डि, डु, डे, डो।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष मिश्रित फलदायी देबऽ वाला रहत। विद्या, बुद्धि आ संतानक निर्वाह करबामे सफल रहब। राजनीकि क्षेत्रमे विशेष सफलता भेटत। माता-पिताक तिर्थाटन करबामे सफल होएब। धन, मान, सम्मान आ भवन प्राप्तिक योग अछि। भगवान शंकरक अराधना कएला सँ लाभ होएत।

सिंह–म, मी, मु, मे, मो, ट, टि, टु, टे।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष मिश्रित फल देबवाला रहत। संतानक प्रगति, विद्या, बुद्धिमे उन्नति आ धार्मिक कार्य करबाक अवसर भेटत। शुभ कार्यमे व्यवधान होएत। दाम्पत्य जीवनमे कलहक कारण समय-समय पर तनाव होएत। भगवान सूर्य की उपासना, गायत्री मंत्रक जाप कएला सँ लाभ होएत।

कन्या–टो, पा, पि, पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष सामान्य सुखदायी रहत। बन्धु-बान्धव सँ विरोध, धन हानि होएत। मुकदमाक संभावना, ऋणक अधिकताक संभावना अछि। शनिक ढ़ईया समाप्त होएबाक कारण रुकल

कार्य पूरा होएत। राजनीतिक क्षेत्रमे बदलाव होएत। शनिक ढईयाक लेल शनि दिन पीपड़क गाछमे दीप जड़ाबथि।

तुला–र, रि, रु, रे, रो, त, ति, तु, ते।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष मिश्रित फलदायी रहत। शनिक ढैयाक कारण मानसिक अशान्ति आ सामाजिक, आर्थिक नुकसान होएत। वाद-विवाद आ दुर्घटनाक योग बनत। राजनीतिक क्षेत्रमे लाभ होएत। उच्च शिक्षामे कएल गेल प्रयास सफल होएत। शुक्रक व्रत आ दुर्गाजीक आराधना सँ लाभ होएत।

वृश्चिक–तो, न, नि, नु, नो, य, यि, यु।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष उत्तम परिणाम देबऽ वाला रहत। यह वर्ष शारीरिक दृष्टि सँ उत्तम रहत। संतान सँ सुख प्राप्ति होएत। भाग्योदयक अवसर भेटत, माता-पिताक स्वास्थ्य मध्यम रहत। शत्रु पक्ष मजबूत होएत, सर-कुटुम्ब सँ शुभ समाचार भेटत। मंगलक व्रत आ हनुमानजीक उपासना कएला सँ लाभ होएत।

धनु–ये, यो, भ, भी, भु, भे, ध, फ, ढ।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष मिश्रित फल देबऽ वाला रहत। वर्षक शुरुआतमे रुकल कार्य पूरा होएत। कठिन परिश्रम सँ कार्य पूरा होएत। शनिक कारण शारीरिक, मानसिक कष्ट आ पारिवारिक कलहक स्थिति रहत। वृहस्पतिक व्रत कएला सँ लाभ होएत।

मकर–भो, ज, जि, जु, जे, जो, ख, खि, खु, खे, खो, ग, गि।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष साढ़ेसातीक कारण पारिवारिक कलक संगहि आर्थिक क्षति होएत। पूरा वर्ष अनेक कष्ट सँ परेशान रहत। एहि वर्ष सामाजिक, आर्थिक आ मानसिक सभ प्रकारक समस्या सँ परेशान रहत। हनुमानजीक उपासना कएलासँ लाभ होएत।

कुम्भ–गु, गे, गो, स, सि, सु, से, सो, द।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष मध्यम फल देबऽ वाला रहत। परिवारमे अशान्ति आ कलहक वातावरण बनल रहत। माता-पिताक स्वास्थ खराब रहबाक संभावना रहत। शनिक व्रत आ नीलम धारण कएला सँ लाभ होएत।

मीन–दि, द, थ, झ, ज, दे, दो, च, चि।

एहि राशिवालाक लेल ई वर्ष उत्तम फलदायक रहत। पूरा वर्ष अनेक प्रकारक सुख-सम्पत्ति, भवन, वाहन आ भौतिक सुख-सुविधामे वृद्धि होएत। निरर्थक यात्रा, व्यापारमे उतार-चढ़ाव आ दुर्घटना आदिक भय बनल रहत। नव कार्यक अवसर भेटत। भगवान विष्णुक उपासना, गुरुक यंत्र धारण कएला सँ अनिष्टक शमन होएत। ●

	तिथि				नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	श्रावण कृष्णपक्ष जुलाई २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.		घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-५।०२ अस्त-६।३९
सोम	१	१०।१८	दि.	९।०९	उ.षा. ४६।५६	ध. प्रा. ५।३२	२२	६	श्रावणमे साग वर्जित, श्रा. सोमवारी व्रत,□
मंगल	२	०९।४०		८।५४	श्र ४८।५३	मकर	२३	७	भदवारंभ रा. १२।३५, भ. रा. ५।५८ उ. ।
बुध	३	१०।११		९।१०	ध ५२।०६	म. दि. १।११	२४	८	श्री विनायक ४ व्रत, भ. दि. ९।१० या. ।
वृह०	४	१२।१३		९।५६	श. ५६।२७	कुम्भ	२५	९	पश्चिम या. पू.भा. ।◆मधुश्रावणी पूजारम्भ ।
शुक्र	५	१५।१६		११।१०	पू.भा. ६०।००	कु. रा.११।१३	२६	१०	मौना पंचमी, मनसा देवी देव्युत्थान पूजन,◆
शनि	६	१९।१८		१२।४७	पू.भा. ०१।४९	मीन	२७	११	भ. दि. १२।४७ उ. रा. १।४२ या. ।
रवि	७	२४।००		२।४०	उ.भा. ०७।५६	मीन	२८	१२	।।०।।□पुनर्वसौ रविः ११।०१, अशून्यशयन व्रत ।
सोम	८	२९।००		४।४१	रे. १४।२६	मी.दि.१०।५१	२९	१३	भदवा समा. दि. १०।५१, श्रावणी सोमवारी व्रत ।
मंगल	९	३३।५३	सं.	६।३८	अ २०।५४	मेष	३०	१४	।।०।।♎श्रा. सोमवारी व्रत, पुष्येरविः १४।२७,♐
बुध	१०	३८।१२	रा.	८।२३	भ. २६।५४	मे.रा .१०।२५	३१	१५	मासान्त, भ. दि. ७।३२ उ. रा. १।४२ या. ।
वृह०	११	४१।४०		९।४६	कृ. ३२।०८	वृष	१	१६	कामदा ११ व्रत सभक, संक्रान्ति ।♐स्नान-दान ।
शुक्र	१२	४४।०२		१०।४३	रो. ३६।१८	वृष	२	१७	दूर्वादलेन पारणा, मासादि ।
शनि	१३	४५।१०		११।११	मृ. ३९।१९	वृ. दि. ८।१८	३	१८	प्रदोष १३ व्रत, भ. रा. ११।११ उ. ।
रवि	१४	४५।०२		११।०८	आ. ४१।०४	मिथुन	४	१९	प्रदोष १४ व्रत, भ. दि. ११।१४ या. ।
सोम	३०	४३।३९		१०।३६	पुन. ४१।३५	मि. दि. ३।४५	५	२०	श्रावणी सोमवती अमा., देवसावर्णिमन्वादि,♎

	तिथि				नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	श्रावण शुक्लपक्ष जुलाई-अगस्त २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.		घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-५।०९ अस्त-६।३६
मंगल	१	४१।०७	रा.	९।३५	पुष्य. ४०।५७	कर्क	६	२१	दोलोत्सवारंभ ।
बुध	२	३७।३२		८।१०	आ. ३९।१६	क. रा. ८।५२	७	२२	चन्द्रदर्शन, ग. १५।०४ उ. रा. २६।३८ या. ।
वृह०	३	३३।०५	सं.	६।२४	मघा. ३६।४५	सिंह	८	२३	मधुश्रावणी व्रत ।
शुक्र	४	२७।५५	दि.	४।२०	पूफा. ३३।३०	सिं.रा.१२।१२	९	२४	श्री गणेश ४ व्रत, पूर्वोत्तरयात्रा पू.फा. ।
शनि	५	२२।१२		२।०३	उ.फा.२९।४४	कन्या	१०	२५	द.ति.दि. २।०३ उ., नाग पंचमी, नागपूजन ।
रवि	६	१६।०८		११।३८	ह. २५।३९	क. रा. २।३६	११	२६	द.ति.दि. ११।३८ या.।□श्रा. सोमवारी व्रत ।
सोम	७	०९।५५		९।१०	चि. २१।२६	तुला	१२	२७	श्रावणी सोमवारी व्रत, गृहप्रवेश ।
मंगल	८	०३।४६		६।४३	स्वा. १७।२०	तु. रा. ४।५९	१३	२८	।।०।।◆आश्लेषायां रविः १५।०२, गृहारंभ,□
बुध	१०	५२।२७	रा.	२।१२	वि. १३।३२	वृश्चिक	१४	२९	गृहारम्भ, गृहप्रवेश ।
वृह०	११	४७।३९		१२।१७	अनु १०।१५	वृश्चिक	१५	३०	पुत्रदा ११ व्रत सभक, गृहारम्भ, गृहप्रवेश ।
शुक्र	१२	४३।४०		१०।४१	ज्ये ०७।४०	वृ. दि. ८।१७	१६	३१	दूर्वादलेन पारणा, गृहप्रवेश ।
शनि	१३	४०।३८		९।२९	मूल ०५।५५	धनु	१७	१	प्रदोष १३ व्रत, गृहप्रवेश ।
रवि	१४	३८।४३		८।४४	पू.षा. ०५।१२	ध. दि. १।२०	१८	२	प्रदोष १४ व्रत ।
सोम	१५	३८।००		८।२७	उ.षा.०५।३८	मकर	१९	३	श्रावणी पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, रक्षाबंधन, दोलोत्सवान्त◆

भादव, कृष्णपक्ष अगस्त २०२० ई०

दिन	तिथि ति.	तिथि द. प.	तिथि घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते	अं. ता.	उदय-५।१६ अस्त-६।२९
मंगल	१	३८।३४	रा. ८।४१	श्र. ०७।१७	म. रा. ८।४२	२०	४	भादवमे दही वर्जित, श्रीदुर्गारथ यात्रा,↗
बुध	२	४०।२४	९।२६	ध. १०।१२	कुम्भ	२१	५	गृहारंभ ।↗भदवारंभ दि. ८।१० ।
बृह०	३	४३।२४	१०।३८	श. १४।१७	कुम्भ	२२	६	कज्जली तृतीया, विशालाक्षीदर्शन, गृहारंभ ।
शुक्र	४	४७।२४	१२।१५	पू.भा. १९।२६	कु. दि.६।३०	२३	७	श्री विनायक ४ व्रत, बहुला पूजा ।
शनि	५	५२।०५	२।०८	उ.भा. २५।२३	मीन	२४	८	गृहारंभ, आर्द्रायांशुक्रः ५२।२४ ।
रवि	६	५७।०७	४।०९	रे. ३१।४९	मी. दि.६।०२	२५	९	भदवा समाप्ति सं. ६।०२, हलधर षष्ठी ।
सोम	७	६०।००	अहोरात्र	अ. ३८।१९	मेष	२६	१०	॥०॥❖संक्रान्ति, इन्द्रसावर्णिमन्वादि ।
मंगल	७	०२।०१	दि. ६।०८	भ. ४४।२७	मेष	२७	११	श्रीकृष्णजन्माष्टमी व्रत ।
बुध	८	०६।२६	७।५४	कृ. ४९।५३	मे. दि. ५।४०	२८	१२	श्रीकृष्णजन्मोत्सव व्रत, जन्माष्टमीव्रतक पारणा ।
बृह०	९	१०।००	९।२०	रो. ५४।१८	वृष	२९	१३	भ रा. ९।५४ उ.।
शुक्र	१०	१२।२८	१०।२०	मृ. ५७।३५	वृ. दि. ३।४६	३०	१४	भ दि. १०।१२ या.।♎मासान्त ।
शनि	११	१३।४४	१०।५१	आ. ५९।३६	मिथुन	३१	१५	जया ११ व्रत सभक, स्वतंत्रता दिवस ।
रवि	१२	१३।४३	१०।५१	पुन. ६०।००	मि.रा.११।२९	३२	१६	कुष्माण्डेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत, द्वापरयुगादि,♎
सोम	१३	१२।२७	१०।२१	पुन. ००।२२	कर्क	१	१७	प्रदोष १४ व्रत, मघायांसिंहेरविः ११।२३,❖
मंगल	१४	१०।०१	दि. ९।२३	श्ले. ५८।३३	क. रा. ४।४७	२	१८	दुर्भर १४, श्रीभैरवपूजन, मासादि ।
बुध	३०	०६।३२	८।००	मघा ५६।११	सिंह	३	१९	भाद्रमासीय अमावास्या, स्नान-दान, कुशोत्पाटन ।

भादव शुक्लपक्ष अगस्त-सितम्बर २०२० ई०

दिन	तिथि ति.	तिथि द. प.	तिथि घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते	अं. ता.	उदय-५।२३ अस्त-६।१६
बृह०	१	०२।१०	दि. ६।१५	पूफा. ५३।०५	सिंह	४	२०	चन्द्रदर्शन ।♦स्नान-दान, पितृपक्ष पार्वणारम्भ ।
शुक्र	३	५१।२७	रा. १।५१	उ.फा. ४९।२५	सिं. दि.८।१६	५	२१	हरितालिका (तीज) व्रत, रुद्रसावर्णिमन्वादिः ।
शनि	४	४५।२६	११।३५	ह. ४५।२२	कन्या	६	२२	चौठचन्द्र व्रत, श्री गणेश ४ व्रत, श्रीगणेश पूजारम्भ ।
रवि	५	३९।१६	९।०७	चि. ४१।१०	क.दि. १०।४३	७	२३	भाद्रमासीय रवि व्रत, ऋषि पंचमी, सप्तर्षिपूजन ।
सोम	६	३३।०८	६।४०	स्वा. ३७।०१	तुला	८	२४	लोलार्क षष्ठी, श्री सूर्य पूजन ।
मंगल	७	२७।१५	दि. ४।२०	वि. ३३।०७	तु. दि. १।०३	९	२५	भ. दि. ४।२० उ. रा. ३।०० या. ।
बुध	८	२१।४९	२।१०	अनु. २९।४१	वृश्चिक	१०	२६	श्रीराधाष्टमी, श्रीमहालक्ष्मी व्रत, दूर्वाष्टमी ।
बृह०	९	१७।०१	१२।१५	ज्ये. २६।५४	वृ. दि. ४।१२	११	२७	म. १०।२७ उ. रा. २१।५९ या. ।
शुक्र	१०	१३।०१	१०।३९	मूल. २४।५७	धनु	१२	२८	॥०॥☐भाद्रमासीय रवि व्रत, प्रदोष १३ व्रत ।
शनि	११	०९।५८	९।२७	पूषा. २३।५९	ध. रा. ९।०१	१३	२९	कर्माधर्म्म ११ व्रत सभक ।♎भदवारम्भ दि. ३।४०।
रवि	१२	०८।०२	८।४१	उ.षा. २४।०८	मकर	१४	३०	कुष्माण्डेन पारणा, श्रीवामनावतार, श्रीइन्द्रपूजारम्भ,☐
सोम	१३	०७।१९	८।२४	श्र २५।२९	म. रा. ४।०८	१५	३१	प्रदोष १४ व्रत, पूर्वफल्गुन्यां रविः २।१७,♎
मंगल	१४	०७।५३	८।३८	ध २८।०६	कुम्भ	१६	१	पूर्णिमा व्रत, श्रीअनन्तडोरक बंधन ।
बुध	१५	०९।४२	९।२२	श. ३१।५६	कुम्भ	१७	२	भाद्री पूर्णिमा, अगस्त्यार्घदान, महालयारंभ,♦

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	प्र० आश्विन कृष्णपक्ष सितम्बर २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-५।२९ अस्त-६।०२
बृह०	१	१२।४३	दि. १०।३५	पू.भा. ३६।५१	कु. दि. १।४२	१८	३	द्वितीयां श्राद्धं, पू.भा. मे पश्चिम यात्रा ।
शुक्र	२	१६।४४	१२।१२	उ.भा. ४२।३८	मीन	१९	४	रेवतीमे उत्तर यात्रा ।
शनि	३	२१।२८	२।०६	रे. ४८।५१	मी. रा. १।०६	२०	५	श्री एकदन्त ४ व्रत, भदवा समाप्ति रा. १२।०६ ।
रवि	४	२६।३४	४।०८	अ. ५५।३१	मेष	२१	६	भाद्रमासीय रवि व्रत ।
सोम	५	३१।३५	सं. ६।०१	भ. ६०।००	मेष	२२	७	श्री इन्द्र विसर्जन, हस्ते बुध: ३४।५५ ।
मंगल	६	३६।०६	रा. ७।५८	भ. ०१।४३	मे.दि. १२।४१	२३	८	॥०॥↗श्री विश्वकर्मा पूजा, संक्रान्ति, मलेमासारम्भ
बुध	७	३१।४७	१।२७	कृ. ०७।२०	वृष	२४	९	ओठगन, रोहिणी सप्तमीमे पूर्व दक्षिण यात्रा ।
बृह०	८	४२।२३	१०।३०	रो. १२।००	वृ.रा. ११।०७	२५	१०	श्रीमहालक्ष्मी व्रत, श्री जिमूतवाहन व्रत (जितिया) ।
शुक्र	९	४३।४६	११।०३	मृ. १५।३३	मिथुन	२६	११	मातृनवमी, श्री जिमूतवाहन व्रतक पारणा ।
शनि	१०	४३।५२	११।०६	आ. १७।५१	मिथुन	२७	१२	एकादशीमे पश्चिम-दक्षिण यात्रा ।
रवि	११	४२।४३	१०।३१	पुन. १८।५५	मि. दि. ७।०४	२८	१३	इन्दिरा ११ व्रत सभक, उत्तरफल्गुन्यां रवि: ४६।४८,◆
सोम	१२	४०।२३	९।४३	पु. १८।४७	कर्क	२९	१४	गुड़ेन पारणा ।◆भाद्रमासीय रवि व्रत ।
मंगल	१३	३७।००	८।२२	श्ले. १७।३४	क.दि. १२।३६	३०	१५	प्रदोष १३ व्रत, भ. रा. ८।२२ उ. ।
बुध	१४	३२।४४	सं. ६।४०	मघा १५।२४	सिंह	३१	१६	प्रदोष १४ व्रत, मासान्त, भ. दि. ७।३४ या. ।
बृह०	३०	२७।४३	दि. ४।४०	पू.फा. १२।२७	सिं.दि. ४।१४	१	१७	प्र० आश्विनी अमा., स्नान-दान, पितृपक्ष समाप्ति,↗

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	प्र० आश्विन शुक्लपक्ष सित०-अक्टूबर २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-५।३६ अस्त-५।४५
शुक्र	१	२२।०८	दि. २।२७	उ.फा.०८।५३	कन्या	२	१८	चन्द्रदर्शन, मासादि ।
शनि	२	१६।१२	१२।०५	ह. ०४।५५	क. रा. ६।४४	३	१९	॥०॥
रवि	३	१०।०५	९।३८	चि. ००।४३	तुला	४	२०	श्री गणेश ४ व्रत, भ. रा. ८।२५ उ. ।
सोम	४	०४।००	७।१३	वि. ५२।३५	तु. रा. १।०२	५	२१	भ. दि. ७।१३ या. ।
मंगल	६	५२।५०	रा. २।४५	अनु. ४९।०२	वृश्चिक	६	२२	सप्तमी मे पश्चिम यात्रा ।
बुध	७	४८।०४	१२।५२	ज्ये. ४६।०५	वृ.रा. १२।०४	७	२३	भ. रा. १२।५२ उ., ज्येष्ठामे पश्चिम यात्रा ।
बृह०	८	४४।०७	११।१७	मूल ४३।५५	धनु	८	२४	भ. दि. १२।०२ या. ।
शुक्र	९	४१।०८	१०।०६	पू.षा.४२।४३	ध. रा. ४।४०	९	२५	पू.षा. मे पूर्वोत्तर या. ।♎भदवारंभ रा. ११।०७ ।
शनि	१०	३९।१५	९।२१	उ.षा.४२।३५	मकर	१०	२६	मघायांसिंहेशुक्र: ४८।१४ ।
रवि	११	३८।३४	९।०५	श्र. ४३।४०	मकर	११	२७	पद्मा ११ व्रत सभक, हस्ते रवि: २४।१८,♎
सोम	१२	३९।११	९।२१	ध. ४५।५९	म. दि.११।३२	१२	२८	कुशोदकेन पारणा, त्रयोदशी धनिष्ठामे पश्चिम या. ।
मंगल	१३	४१।०५	१०।०६	श. ४९।३२	कुम्भ	१३	२९	प्रदोष १३ व्रत, मार्गी शनि: ३।४३ ।
बुध	१४	४४।१०	११।२१	पू.भा. ५४।१३	कु. रा. ८।५१	१४	३०	प्रदोष १४ व्रत, पू.भा. पूर्णिमा मे पश्चिम यात्रा ।
बृह०	१५	४८।१६	१।००	उ.भा. ५९।५०	मीन	१५	१	प्र० आश्विनी पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत, स्नान-दान ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	द्वि० आश्विन कृष्णपक्ष अक्टूबर २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-५।४२ अस्त-५।२९
शुक्र	१	५३।०६	रा. २।५६	रे. ६०।००	मीन	१६	२	गाँधी जयन्ती, लाल बहादुर जयन्ती।
शनि	२	५८।१८	५।०१	रे. ०६।०३	मी दि. ८।०७	१७	३	भदवा समाप्ति दि. ८।०७, गण्डान्त: १४।४६।
रवि	३	६०।००	अहोरात्र	अ. १२।३४	मेष	१८	४	भ. रा. ६।०४ उ., अश्विनीमे पश्चिमबिना यात्रा.
सोम	३	०३।२३	दि. ७।०४	भ. १८।५५	मे. रा. ७।५३	१९	५	श्री गणेश ४ व्रत, भ. दि. ७।०४ या.।
मंगल	४	०८।००	८।५६	कृ. २४।४२	वृष	२०	६	रोहिणीमे पूर्वदक्षिण यात्रा।
बुध	५	११।४७	१०।२७	रो. २९।३६	वृष	२१	७	पंचमी रोहिणीमे पूर्वदक्षिण यात्रा।
वृह०	६	१४।२९	११।३२	मृ. ३३।२५	वृ. दि. ६।२४	२२	८	भ. दि. ११।३२ उ. रा. ११।५४ या.।
शुक्र	७	१५।५८	१२।०८	आ. ३६।०१	मिथुन	२३	९	द.ति.दि. १२।०८ उ.।
शनि	८	१६।०९	१२।१३	पुन. ३७।२२	मि. दि. २।३७	२४	१०	चित्रायांरवि: ५४।४५, द.ति.दि. १३।१८ या.।
रवि	९	१५।०५	११।४८	पु. ३७।३०	कर्क	२५	११	भ. रा. ११।२५ उ.।
सोम	१०	१२।५०	१०।५५	श्ले. ३६।३१	क. रा. ८।२३	२६	१२	भ. दि. १०।५५ या.।
मंगल	११	०९।३१	९।३५	मघा. ३४।३३	सिंह	२७	१३	पद्मा ११ व्रत सभक, पू.फा. मे पूर्वयात्रा।
बुध	१२	०५।१९	७।५५	पू.फा. ३१।४६	सिं.रा.१२।११	२८	१४	कुशोदकेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत।
वृह०	१३	००।२२	प्रा. ५।५७	उ.फा. २८।१९	कन्या	२९	१५	प्रदोष १४ व्रत।
शुक्र	३०	४९।०२	रा. १।२५	ह. २४।२६	क. रा. २।४६	३०	१६	द्वि० आश्विनी अमा०, मलेमास समाप्ति, मासान्त।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	द्वि० आश्विन शुक्लपक्ष अक्टूबर २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-५।४९ अस्त-५।१३
शनि	१	४२।५९	रा. ११।०१	चि. २०।१६	तुला	१	१७	शारदीय नवरात्रारंभ, कलस्थापन, संक्रान्ति,□
रवि	२	३६।५९	८।३७	स्वा. १६।०३	तु. रा. ५।०२	२	१८	श्री रेमन्त पूजा, चन्द्रदर्शन, मासादि।
सोम	३	३१।१४	६।२०	वि. १२।०१	वृश्चिक	३	१९	॥०।□कार्तिक स्नानारम्भ, सिमरिया कल्पवासारंभ।
मंगल	४	२५।५६	दि. ४।१३	अनु. ०८।२१	वृश्चिक	४	२०	श्री गणेश ४ व्रत, पंचमीमे पश्चिम यात्रा।
बुध	५	२१।१५	२।२१	ज्ये. ०५।१५	वृ. दि. ७।५७	५	२१	गृहप्रवेश।♎पूर्णिमा व्रत।
वृह०	६	१७।२३	१२।४९	मूल. ०२।५४	धनु	६	२२	गजपूजा, बेलनौती।❖गृहारम्भ, गृहप्रवेश।
शुक्र	७	१४।३०	११।४०	पू.षा. ०१।२७	ध. दि.१२।२३	७	२३	पत्रिका प्रवेश, निशा पूजा, गृहारम्भ, गृहप्रवेश।
शनि	८	१२।४३	१०।५८	उ.षा. ०१।०४	मकर	८	२४	महाष्टमी व्रत, दीक्षा ग्रहण, स्वात्यांरवि: १८।१९।
रवि	९	१२।०९	१०।४५	श्र. ०१।५२	म. रा. ६।५९	९	२५	महानवमी व्रत, त्रिशूलिनी पूजा, भदवारंभ दि. ६।३८।
सोम	१०	१२।५४	११।०४	श्र. ०३।५४	कुम्भ	१०	२६	विजया १०, अपराजिता पूजा, देवी विसर्जन,❖
मंगल	११	१४।५४	११।५३	श. ०७।११	कु. रा. ४।०५	११	२७	पाशांकुशा ११ व्रत सभक।☒गृहप्रवेश।
बुध	१२	१८।०७	१।१०	पू.भा. ११।३६	मीन	१२	२८	श्री पद्मनाभ १२, गुड़ेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत,☒
वृह०	१३	२२।२०	२।५२	उ.भा. १७।०२	मीन	१३	२९	प्रदोष १४ व्रत, गृहप्रवेश, गृहारम्भ।✗लक्ष्मीपूजा
शुक्र	१४	२७।१७	४।५२	रे. २३।१०	मी. दि. ३।१३	१४	३०	भदवा समाप्ति दि. ३।१३, गृहारम्भ, कोजागरा,✗
शनि	१५	३२।३५	रा. ७।००	अ. २९।४०	मेष	१५	३१	द्वि० आश्विनी पूर्णिमा, स्नान-दान, गृहारम्भ,♎

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते	अं. ता.	कार्तिक कृष्णपक्ष नवम्बर २०२० ई० उदय-५।५८ अस्त-५।००
रवि	१	३७।४८	रा. ९।०५	भ. ३६।०६	मे. रा. ३।०२	१६	१	कार्तिकमे यमुना स्नान लाभप्रद।
सोम	२	४२।३०	१०।५९	कृ. ४२।०३	वृष	१७	२	रोहिणी तृतीयामे दक्षिण यात्रा।
मंगल	३	४६।२१	१२।३२	रो. ४७।११	वृष	१८	३	भ. दि. ११।४८ उ. रा. १२।३२ या. ।
बुध	४	४९।०६	१।३८	मृ. ५१।१५	वृ. दि. १।४५	१९	४	श्रीकृष्णपिंग ४ व्रत।
बृह०	५	५०।३७	२।१६	आ. ५४।०९	मिथुन	२०	५	पुनर्वसौ मे पश्चिम यात्रा।
शुक्र	६	५०।५९	२।२२	पुन. ५५।४७	मि.रा.१०।१३	२१	६	अशोकचन्दन षष्ठी व्रत, विशाखायांरवि: ३५।३६।
शनि	७	४९।४९	१।५८	पु. ५३।१२	कर्क	२२	७	॥०॥☐गोवर्द्धन पूजा, अन्नकूट।
रवि	८	४७।३६	१।०५	श्ले. ५५।२८	क. रा. ४।१४	२३	८	गण्डान्तारम्भ: २२।२१।
सोम	९	४४।२०	११।४८	मघा ५३।४३	सिंह	२४	९	गण्डान्त: १०।०६ ।♏ धनतेरस।
मंगल	१०	४०।१०	१०।०८	पूफा. ५१।०७	सिंह	२५	१०	भ. दि. ११।०१ उ. रा. १०।०८ या. ।
बुध	११	३५।१६	८।११	उ.फा. ४७।४९	सिं. दि.८।१३	२६	११	रम्भा ११ व्रत सभक।◆हनुमद्ध्वजदान पूजन।
बृह०	१२	२९।४८	६।०१	ह. ४४।०१	कन्या	२७	१२	गोवत्स १२, तुलसीदलेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत,♏
शुक्र	१३	२३।५९	दि. ३।४२	चि. ३९।५४	क.दि. १०।५४	२८	१३	प्रदोष १४ व्रत, हनुमज्जन्मोत्सव,◆
शनि	१४	१८।०१	१।२०	स्वा. ३५।४२	तुला	२९	१४	दीपावली, सायं लक्ष्मीपूजा, श्रीकाली पूजा।
रवि	३०	१२।०५	१०।५८	वि. ३१।३६	तु. दि. १।१०	३०	१५	कार्तिकी अमा०, स्नान-दान, गो पूजा, मासान्त,☐

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते	अं. ता.	कार्तिक शुक्लपक्ष नवम्बर २०२० ई० उदय-६।०९ अस्त-४।५१
सोम	१	०६।२६	दि. ८।४३	अनु. २७।५०	वृश्चिक	१	१६	भ्रातृद्वितीया, श्रीचित्रगुप्त पूजा, संक्रान्ति, चन्द्रदर्शन।
मंगल	२	०१।१३	प्रा. ६।३९	ज्ये. २४।३६	वृ. दि. ४।००	२	१७	कटुमहुली तृतीया, माछ मरूआ वर्जित, मासादि।
बुध	४	५२।५६	रा. ३।२१	मूल. २२।०४	धनु	३	१८	श्री गणेश ४ व्रत, नहाय खाय, अन्ना अरवाइन।
बृह०	५	५०।१०	२।१५	पू.षा. २०।२४	ध. रा. ८।१५	४	१९	छठि व्रतक खरना, अनुराधायांरवि: ४७।२५।
शुक्र	६	४८।३२	१।३७	उ.षा. १९।४६	मकर	५	२०	छठि व्रतक सायंकालीन अर्घदान।
शनि	७	४८।०८	१।२८	श्र. २०।१८	म. रा. २।३७	६	२१	प्रातःकालीन अर्घदान, सामा पूजारम्भ,⍓
रवि	८	४९।०१	१।५०	ध. २२।०३	कुम्भ	७	२२	गोपाष्टमी, गावादीनापूजन।♍तुलसीदलेन पारणा।
सोम	९	५१।११	२।४३	श. २५।०४	कुम्भ	८	२३	अक्षयनवमी, सतयुगादि, गंगा स्नान-दान।
मंगल	१०	५४।३३	४।०४	पू.भा. २९।१५	कु.दि. ११।२९	९	२४	जगद्धात्री विसर्जन।⍓भदवारंभ दि. २।२०।
बुध	११	५८।५५	५।५०	उ.भा. ३४।२९	मीन	१०	२५	देवोत्थान ११ व्रत सभक।
बृह०	१२	६०।००	अहोरात्र	रे. ४०।२९	मी.रा. १०।२८	११	२६	श्रीदामोदर १२, भदवा समाप्ति रा. ११।२८,♍
शुक्र	१२	०३।५७	दि. ७।५२	अ. ४६।५७	मेष	१२	२७	प्रदोष १३ व्रत, मुंडन।
शनि	१३	०९।२२	१०।०३	भ. ५३।२७	मेष	१३	२८	प्रदोष १४ व्रत, विद्यापति स्मृति दिवस।
रवि	१४	१४।३८	१२।१०	कृ. ५९।३३	मे.दि. १०।१९	१४	२९	पूर्णिमा व्रत, सामा विसर्जन, षा० रवि व्रतारंभ।
सोम	१५	१९।२३	२।०५	रो. ६०।००	वृष	१५	३०	कार्तिक पूर्णिमा, स्नान-दान, गुरुनानक जयंती।

	तिथि				नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	अग्रहण कृष्णपक्ष दिसम्बर २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.		घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-६।२१ अस्त-४।४८
मंगल	१	३३।१५	दि.	३।३८	रो. ०४।५३	वृ. रा. ९।१४	१६	१	धन्यव्रतारम्भ, द्वितीयामे उत्तर बिना यात्रा ।
बुध	२	२६।००		४।४५	मृ. ०९।१४	मिथुन	१७	२	ज्येष्ठायांरवि: ५४।५१, गृहारम्भ, मुंडन, द्विरागमन, ♍
वृह०	३	२७।३०	सं.	५।२२	आ. १२।२५	मि. प्रा.५।५८	१८	३	सौभाग्यसुन्दरी ३ व्रत, श्री गजानन ४ व्रत, गृहारम्भ, ◆
शुक्र	४	२७।४३		५।२८	पुन. १४।२२	कर्क	१९	४	द्विरागमन ।◆मुंडन, द्विरागमन ।
शनि	५	२६।४०		५।०४	पु. १५।०४	कर्क	२०	५	वीड ५, मनसादेवीशयन, श्रीविषहरा पूजन, गृहारम्भ।
रवि	६	२४।२७	दि.	४।१०	श्ले. १४।३६	क.दि. १२।१५	२१	६	विवाह, वैधृतियोगमान ५४।४१ ।♍ विवाह
सोम	७	२१।१०		२।५३	मघा १३।०५	सिंह	२२	७	कालभैरवाष्टमी, विवाह ।
मंगल	८	१७।००		१।१४	पूफा. १०।४१	सिं. दि.४।२५	२३	८	महाराजाधिराज कामेश्वर सिंह जयन्ती ।
बुध	९	१२।०६		११।१७	उ.फा. ०७।३३	कन्या	२४	९	भ. रा. ११।१३ उ. ।
वृह०	१०	०६।४१		९।०८	ह. ०३।५२	क. रा. ७।१२	२५	१०	विवाह, भ. दि. ८।०८ या. ।
शुक्र	११	००।५४	प्रा.	६।५०	स्वा. ५५।३८	तुला	२६	११	उत्पन्ना ११ व्रत सभक, विवाह ।
शनि	१३	४९।०८	रा.	२।०८	वि. ५१।३१	तु. रा. ९।२९	२७	१२	गोमूत्रेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत ।
रवि	१४	४३।३४		११।५५	अनु. ४७।४१	वृश्चिक	२८	१३	प्रदोष १४ व्रत ।♎विवाह, द्विरागमन ।
सोम	३०	३८।२७		९।५३	ज्ये. ४४।१९	वृ.रा. १२।१३	२९	१४	अग्रहणी अमा०, स्नान-दान, सोमवती अमा०, ♎

	तिथि				नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	अग्रहण शुक्लपक्ष दिसम्बर २०२० ई०
दिन	ति.	द. प.		घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-६।३१ अस्त-४।५१
मंगल	१	३४।००	रा.	८।०७	मूल ४१।३७	धनु	३०	१५	श्रीहरिशो व्रत ।
बुध	२	३०।२४		६।४१	पू.षा. ३९।४६	ध. रा. ४।१८	१	१६	चन्द्रदर्शन, संक्रान्ति ।
वृह०	३	२७।४७	सं.	५।३९	उ.षा. ३८।५४	मकर	२	१७	मासादि, अ. २४।०१ उ. ४२।५३ या. ।
शुक्र	४	२६।१८		५।०४	श्र. ३९।१०	मकर	३	१८	श्री गजानन ४ व्रत, भदवारंभ रा. १०।१३ ।
शनि	५	२६।०३		४।५९	ध. ४०।३९	म. दि.१०।२७	४	१९	विवाह पंचमी, श्रीसीतारामविवाहोत्सव ।
रवि	६	२७।०७		५।२५	श. ४३।२४	कुम्भ	५	२०	॥०॥
सोम	७	२९।२८		६।२१	पू.भा. ४७।२०	कु. रा.०७।०४	६	२१	भ. रा. ६।२१ उ. ।
मंगल	८	३२।५९	रा.	७।४६	उ.भा. ५२।२२	मीन	७	२२	भ. दि. ७।०१ या. ।
बुध	९	३७।२९		९।३५	रे. ५८।१५	मी. रा. ५।५३	८	२३	भदवा समाप्ति रा. ५।५३, दशमीमे पश्चिम यात्रा ।
वृह०	१०	४२।३९		११।४०	अ. ६०।००	मेष	९	२४	दक्षिण बिना यात्रा, ग. १२।३१ ।
शुक्र	११	४८।०८		१।५१	अ. ०४।३९	मेष	१०	२५	मोक्षदा ११ व्रत सभक, गीता जयन्ती, बड़ा दिन ।
शनि	१२	५३।२६		३।५९	भ. ११।१३	मे. सं. ५।४४	११	२६	गोमूत्रेन पारणा ।
रवि	१३	५८।१०		५।५३	कृ. १७।२७	वृष	१२	२७	प्रदोष १३ व्रत. रोहिणी त्र्योदशीमे पूर्वदक्षिण या. ।
सोम	१४	६०।००		अहोरात्र	रो. २३।०२	वृ. रा. ४।४९	१३	२८	प्रदोष १४ व्रत ।
मंगल	१४	०२।००	दि.	७।२६	मृ. २७।३९	मिथुन	१४	२९	पूर्णिमा व्रत, पूर्वाषाढ़ेरवि: १।१० ।
बुध	१५	०४।४२		८।३९	आ. ३१।०८	मिथुन	१५	३०	अग्रहणी पूर्णिमा, स्नान-दान, हरिहरक्षेत्र स्नान ।

दिन	तिथि ति.	द. प.		घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	पौष कृष्णपक्ष दिसम्बर-जनवरी २०२०-२१ ई० उदय-६।३९ अस्त-४।५९
वृह०	१	०६।०९	दि.	९।०६	पुन. ३३।२३	मि. दि. १।५०	१६	३१	पौषमे कौशिकी स्नान ।
शुक्र	२	०६।१८		९।१०	पु. ३४।२४	कर्क	१७	१	जनवरी २०२१ ई० आरंभ, भ. दि. ९।०१ उ.
शनि	३	०५।११		८।४४	श्ले. ३४।१३	क. रा. ८।२१	१८	२	श्री लम्बोदर ४ व्रत, भ. दि. ८।४४ या. ।
रवि	४	०२।५४		७।४९	मघा ३२।५७	सिंह	१९	३	पू.फा. मे पूर्वोत्तर यात्रा ।
सोम	६	५५।२२	रा.	४।४९	पूफा. ३०।४६	सिं.रा.१२।४२	२०	४	भ. रा. ४।४९ उ. ।
मंगल	७	५०।२७		२।५१	उ.फा. २७।४८	कन्या	२१	५	भ. दि. ३।५२ या., सप्तमीमे मेघदर्शन ।
बुध	८	४५।०१		१२।४१	ह. २४।१४	क. रा. ३।३५	२२	६	अपूपाष्टकाष्टमी ।
वृह०	९	३९।१५		१०।२३	चि. २०।१७	तुला	२३	७	अन्वष्टका नवमी, दशमीमे पश्चिम यात्रा ।
शुक्र	१०	३३।२२		८।०२	स्वा. १६।०८	तु. रा. ५।५३	२४	८	भ. दि. ९।१३ उ. रा. ८।०२ या. ।
शनि	११	२७।३४	सं.	५।४२	वि. ११।५१	वृश्चिक	२५	९	सफल ११ व्रत सभक ।♍दशतारकारंभ ।
रवि	१२	२२।०३	दि.	३।३०	अनु. ०८।०६	वृश्चिक	२६	१०	गोमयेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत ।
सोम	१३	१७।०२		१।३०	ज्ये. ०४।३७	वृ. दि. ८।३२	२७	११	प्रदोष १४ व्रत, उत्तराषाढेरविः २।५०,♍
मंगल	१४	१२।४१		११।४६	मूल. ०१।४७	धनु	२८	१२	॥०॥
बुध	३०	०९।११		१०।२२	उ.षा. ५८।३८	ध. दि.१२।२६	२९	१३	पौषी अमावास्या, स्नान-दान, मासान्त ।

दिन	तिथि ति.	द. प.		घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	पौष शुक्लपक्ष जनवरी २०२१ ई० उदय-६।४१ अस्त-५।१०
वृह०	१	०६।४१	दि.	९।२२	श्र. ५८।४०	मकर	१	१४	चन्द्रदर्शन, संक्रान्ति, तिल संक्रान्ति, माघस्नानारंभ,☒
शुक्र	२	०५।२१		८।५०	ध. ५९।५३	म. सं. ६।२०	२	१५	मासादि ।☒भदवारंभ प्रा. ६।०९ ।
शनि	३	०५।१५		८।४७	श. ६०।००	कुम्भ	३	१६	श्री गणेश ४ व्रत, भ. रा. ८।५८ उ. ।
रवि	४	०६।२८		९।१६	श. ०२।२३	कु. रा. २।४२	४	१७	पंचमीमे उत्तर यात्रा, भ. दि. ९।१६ या. ।
सोम	५	०८।५६		१०।१५	पू.भा. ०६।०४	मीन	५	१८	मुंडन, पू.भा. पश्चिमोत्तर यात्रा ।
मंगल	६	१२।३४		११।४२	उ.भा. १०।५३	मीन	६	१९	सप्तमीमे पश्चिम यात्रा ।
बुध	७	१७।०९		०१।३२	रे. १६।३७	मी. दि. १।१९	७	२०	भदवा समाप्ति दि. १।१९, कर्णवेध, मुंडन ।
वृह०	८	२२।२३		३।३८	अ. २२।५७	मेष	८	२१	दशतारकान्त ।
शुक्र	९	२७।५२	सं.	५।४९	भ. २९।३२	मे. रा. १।०८	९	२२	॥०॥♎माघस्नानारम्भ, प्रयागेकल्पवासारंभ ।
शनि	१०	३३।०८	रा.	७।५५	कृ. ३५।५४	वृष	१०	२३	कर्मदशमी । ♍श्रवणायांरविः ५।५७ ।
रवि	११	३७।४८		९।४७	रो. ४१।४१	वृष	११	२४	पुत्रदा ११ व्रत सभक, धर्मसावर्णिमन्वादिः,♍
सोम	१२	४१।३२		११।१६	मृ. ४६।३४	वृ.दि. १२।२२	१२	२५	गोमयेन पारणा, नारायण १२ ।
मंगल	१३	४४।०७		१२।१८	आ. ५०।२०	मिथुन	१३	२६	प्रदोष १३ व्रत, गणतंत्र दिवस ।
बुध	१४	४५।२६		१२।५०	पुन. ५२।५४	मि. रा. ९।३६	१४	२७	प्रदोष १४ व्रत, पूर्णिमामे पश्चिम यात्रा ।
वृह०	१५	४५।२८		१२।५०	पु. ५४।१२	कर्क	१५	२८	पौषी पूर्णिमा, स्नान-दान, कौशिकी स्नान, कर्णवेध,♎

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	माघ कृष्णपक्ष जनवरी-फरवरी २०२१ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-६।३८ अस्त-५।२२
शुक्र	१	४४।१४	रा. १२।२०	श्ले. ५४।१८	क. रा. ४।२२	१६	२९	माघमे कमला स्नान।
शनि	२	४१।५०	१२।२२	मघा ५३।१७	सिंह	१७	३०	पू.फा. मे उत्तर यात्रा।
रवि	३	३८।२५	९।५९	पू.फा.५१।११	सिंह	१८	३१	भ. दि. १०।४४ उ. रा. ९।५९ या.।
सोम	४	३४।०८	८।१६	उ.फा. ४८।३२	सिं. दि.८।५४	१९	१	श्रीभालचन्द्र ४ व्रत, गणेशावतार, श्री गणेश पूजन
मंगल	५	२९।१०	सं. ६।१६	ह. ४५।०६	कन्या	२०	२	पंचमीमे पूर्वदक्षिण यात्रा।
बुध	६	२३।४१	दि. ४।०४	चि. ४१।१४	क.दि. ११।५४	२१	३	भ. दि. ४।०४ उ. रा. २।५५ या.।
बृह०	७	१७।५३	१।४५	स्वा. ३७।०८	तुला	२२	४	स्वातीमे दक्षिण यात्रा।
शुक्र	८	११।५९	११।२२	वि. ३२।५९	तु. दि. २।११	२३	५	अपूपाष्टकाष्टमी, अनुराधामे उत्तर यात्रा।
शनि	९	०६।११	९।०३	अनु. २९।०२	वृश्चिक	२४	६	अनवष्टका नवमी, धनिष्ठायांरविः ११।५१।
रवि	१०	००।४१	प्रा. ६।५०	ज्ये. २५।२७	वृ. दि. ४।४५	२५	७	षटतिला ११ व्रत सभक।
सोम	१२	५१।२२	रा. ३।०६	मूल. २२।२८	धनु	२६	८	गोदुग्धेन पारणा, त्रयोदशीमे उत्तर यात्रा।
मंगल	१३	४७।५६	१।४३	पू.षा. २०।१४	ध. रा. ८।२८	२७	९	प्रदोष १३ व्रत, पू.षा. मे पूर्व यात्रा।
बुध	१४	४५।३०	१२।४४	उ.षा. १८।५६	मकर	२८	१०	प्रदोष १४ व्रत, नरकनिवारण १४ व्रत, नक्त व्रत
बृह०	३०	४४।१४	१२।१३	श्र. १८।४२	म. रा. २।०७	२९	११	माघी मौनी अमावास्या, भदवारंभ दि. २।०० ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	माघ शुक्लपक्ष फरवरी २०२१ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-६।३१ अस्त-५।३३
शुक्र	१	४४।१३	रा. १२।१२	ध. ११।३९	कुम्भ	३०	१२	शिशिर नवरात्रारंभ, कलशस्थापन, मासान्त।
शनि	२	४५।२९	१२।४२	श. २१।५१	कुम्भ	१	१३	श्री रेमन्त पूजा, संक्रान्ति, माघस्नान समाप्ति।
रवि	३	४८।०१	१।४२	पू.भा. २५।१७	कु. दि.१०।१३	२	१४	बदरी तृतिया, मासादि।
सोम	४	५१।४२	३।०९	उ.भा. २९।५२	मीन	३	१५	श्री गणेश ४ व्रत ।♎भदवा समाप्ति रा. ८।३८।
मंगल	५	५६।१९	४।५९	रे. ३५।२५	मी. रा. ८।३८	४	१६	बसंत पंचमी, श्री सरस्वती पूजा,♎
बुध	६	६०।००	अहोरात्र	अ. ४१।३९	मेष	५	१७	कर्णविध, विवाह, द्विरागमन।
बृह०	६	०१।३३	दि. ७।०३	भ. ४८।१४	मेष	६	१८	॥०॥ॐनिशा पूजा, विवाह, द्विरागमन।
शुक्र	७	०६।५९	९।१३	कृ. ५४।४१	मे. दि. ८।२३	७	१९	अचला सप्तमी, शतभिषायां रविः २१।३७,ॐ
शनि	८	१२।११	११।१७	रो. ६०।००	वृष	८	२०	भीष्माष्टमी, भीष्म तर्पण, महाष्टमी व्रत।
रवि	९	१६।४४	१।०५	रो. ००।४१	वृ. रा. ७।४४	९	२१	महानवमी व्रत, विवाह, द्विरागमन।
सोम	१०	२०।२०	२।३०	मृ. ०५।४८	मिथुन	१०	२२	विजया १०, देवीविसर्जन, कर्णविध, मुंडन, गृहप्रवेश।
मंगल	११	२२।४६	३।२८	आ. ०९।५१	मि. रा. ५।१२	११	२३	भौमी ११ व्रत सभक।
बुध	१२	२३।५७	३।५६	पुन. १२।४२	कर्क	१२	२४	गोदुग्धेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत, कर्णवेध।
बृह०	१३	२३।५०	३।५२	पु. १४।१८	कर्क	१३	२५	प्रदोष १४ व्रत, कर्णवेध, मुंडन।
शुक्र	१४	२२।२८	३।१८	श्ले. १४।४०	क. दि.१२।११	१४	२६	पूर्णिमा व्रत, भ. दि. ३।१८ उ. रा. २।५१ या.।
शनि	१५	१९।५६	२।१७	मघा १३।५५	सिंह	१५	२७	माघी पूर्णिमा, स्नान-दान।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	फाल्गुन कृष्णपक्ष फरवरी-मार्च २०२१ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-६।१७ अस्त-५।४४
रवि	१	१६।२५	दि. १२।५१	पूफा. १२।०९	सिं. दि. ४।५५	१६	२८	फाल्गुनमे बागमती स्नान ।
सोम	२	१२।०२	११।०५	उफा. ०९।३३	कन्या	१७	१	कर्णवेध, मुंडन, तृतीयामे दक्षिण यात्रा ।
मंगल	३	०६।५८	९।०२	ह. ०६।१५	क. रा. ८।०१	१८	२	श्री हेरम्ब ४ व्रत, द.ति.दि. ९।०२ उ. ।
बुध	४	०१।२५	६।४८	चि. ०२।२९	तुला	१९	३	कर्णवेध, मुंडन, द.ति.प्रा. ६।४८ या. ।
बृह०	६	४९।३५	रा. २।०३	वि. ५४।१४	तु.रा. १०।२०	२०	४	पूर्वभाद्रेरविः ३६।१८, भ. रा. २।०३ उ. ।
शुक्र	७	४३।४५	११।४२	अनु. ५०।१३	वृश्चिक	२१	५	भ. दि. १२।५२ या.।
शनि	८	३८।१४	९।२९	ज्ये. ४६।३३	वृ.रा. १२।४८	२२	६	शकाष्टकाष्टमी, पश्चिमोत्तर यात्रा ।
रवि	९	३३।१३	७।२८	मूल. ४३।२५	धनु	२३	७	अन्वष्टका नवमी, दशमीमे पूर्वोत्तर यात्रा ।
सोम	१०	२८।५५	सं. ५।४३	पूषा. ४१।००	ध. रा. ४।२२	२४	८	भ. प्रा. ६।३३ उ. सं. ५।४३ या. ।
मंगल	११	२५।२९	दि. ४।२०	उ.षा. ३९।२८	मकर	२५	९	विजया ११ व्रत सभक ।☐प्रदोष १३ व्रत ।
बुध	१२	२३।०३	३।२०	श्र. ३८।५९	मकर	२६	१०	गोदध्ना पारणा, भदवारंभ रा. ९।४३, ☐
बृह०	१३	२१।४७	२।४९	ध. ३९।३९	म. दि. ९।४६	२७	११	महाशिवरात्रि व्रत, नक्त व्रत, प्रदोष १४ व्रत ।
शुक्र	१४	२१।४७	२।४८	श. ४१।३४	कुम्भ	२८	१२	शिवदर्शन ।
शनि	३०	२३।०३	३।१७	पू.भा. ४४।४४	कु. दि. ५।३६	२९	१३	फाल्गुनी अमावास्या, स्नान-दान, मासान्त ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	फाल्गुन शुक्लपक्ष मार्च २०२१ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-६।०३ अस्त-५।५२
रवि	१	२५।३४	दि. ४।१७	उ.भा. ४९।०३	मीन	१	१४	कल्याणेश्वर जनकपुर परिक्रमारंभ, संक्रान्ति ।
सोम	२	२९।१४	५।४३	रे. ५४।२५	मी. रा. ३।४८	२	१५	भदवा समाप्ति रा. ३।४८, मासादि ।
मंगल	३	३३।४८	रा. ७।३२	अ. ६०।००	मेष	३	१६	तृतीयामे उत्तर बिना यात्रा ।
बुध	४	३८।५७	९।३४	अ. ००।३३	मेष	४	१७	श्री वैनायकी ४ व्रत, उत्तरभाद्रेरविः ५६।५२ ।
बृह०	५	४४।१७	११।४१	भ. ०७।०५	मे. दि. ३।२८	५	१८	॥०॥
शुक्र	६	४९।२२	१।४२	कृ. १३।३७	वृष	६	१९	षष्ठी रोहिणीमे पूर्वदक्षिण यात्रा ।
शनि	७	५३।४७	३।२७	रो. १९।४३	वृ. रा. २।५६	७	२०	भ. रा. ३।२७ उ. ।
रवि	८	५७।१५	४।४९	मृ. २५।०४	मिथुन	८	२१	भ. दि. ४।११ या. ।
सोम	९	५९।३३	५।४३	आ. २९।२२	मिथुन	९	२२	रात्रिशेष दशमीमे पश्चिम दक्षिण यात्रा ।
मंगल	१०	६०।००	अहोरात्र	पुन. ३२।३१	मि.दि.१२।३७	१०	२३	॥०॥☐होलिकादाह, क० जनकपुरपरिक्रमा समा.।
बुध	१०	००।३८	प्रा. ६।०७	पु. ३४।२४	कर्क	११	२४	आमलकी ११ व्रत गृहस्तक ।
बृह०	११	००।२३	६।००	श्ले. ३५।०३	क. रा. ७।५२	१२	२५	आमलकी ११ व्रत वैष्णवक ।
शुक्र	१३	५६।१४	रा. ४।११	मघा ३४।३३	सिंह	१३	२६	गोदध्ना पारणा, श्री गोविन्द १२, प्रदोष १३ व्रत ।
शनि	१४	५२।३५	२।५१	पूफा. ३३।००	सिं.रा.१२।४८	१४	२७	प्रदोष १४ व्रत, पू.फा. मे उत्तर यात्रा ।
रवि	१५	४८।०७	१।०२	उफा. ३०।३५	कन्या	१५	२८	फाल्गुनी पूर्णिमा, सिन्दूरार्पण (पातरिदान), ☐

चैत्र कृष्णपक्ष मार्च-अप्रैल २०२१ ई०

उदय-५।४६ अस्त-५।५९

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	
सोम	१	४२।५८	रा. १०।५७	ह. २७।२६	क. रा. ४।०१	१६	२९	होली; सप्ताडोरक बंधन, सचैल स्नान ।
मंगल	२	३७।२०	८।४१	चि. २३।४५	तुला	१७	३०	दक्षिण पश्चिम यात्रा ।
बुध	३	३१।२४	सं. ६।१८	स्वा. १९।४४	तुला	१८	३१	श्री विकट ४ व्रत, रेवत्यांरविः २४।०६ ।
वृह०	४	२५।२३	दि. ३।५२	वि. १५।३५	तृ. दि. ६।२२	१९	१	पंचमीमे पश्चिमोत्तर यात्रा ।
शुक्र	५	१९।२९	१।३०	अ. ११।३१	वृश्चिक	२०	२	व्य. यो. ५२।३०, ग. २७।०९ ।
शनि	६	१३।५५	११।१५	ज्ये. ०७।४५	वृ. दि. ८।४७	२१	३	भ. दि. ११।१५ उ. रा. १०।१२ या. ।
रवि	७	०८।५१	९।१२	मूल. ०४।२८	धनु	२२	४	पू.षा. मे पूर्वोत्तर यात्रा ।
सोम	८	०४।३०	७।२७	पू.षा. ०१।५२	ध. दि.१२।११	२३	५	शीतलाष्टमी, पू.षा. मे उत्तर यात्रा ।
मंगल	९	०१।००	प्रा. ६।०२	उ.षा. ००।०७	मकर	२४	६	भ. सं. ५।२८ उ. रा. ५।०१ या. ।
बुध	११	५७।१०	रा. ४।२९	ध. ५९।४५	म. सं. ५।२३	२५	७	पापमोचिनी ११ व्रत गृहस्तक ।
वृह०	१२	५७।०६	४।२६	श. ६०।००	कुम्भ	२६	८	गोघृतेन पारणा, पापमोचिनी ११ व्रत वैष्णवक ।
शुक्र	१३	५८।१८	४।५४	श. ०१।२४	कु. रा.१२।५७	२७	९	प्रदोष १३ व्रत, वारुणी योग ।
शनि	१४	६०।००	अहोरात्र	पू.भा. ०४।१७	मीन	२८	१०	प्रदोष १४ व्रत ।
रवि	१४	००।४७	प्रा. ५।५१	उ.भा. ०८।२१	मीन	२९	११	॥०॥◆भदवा समाप्ति दि. १०।५५ ।
सोम	३०	०४।२१	दि. ७।१६	रे. १३।२९	मी.दि.१०।५५	३०	१२	चैत्री अमावास्या, सोमवती अमावास्या, स्नान-दान,◆

चैत्र शुक्लपक्ष अप्रैल २०२१ ई०

उदय-५।३० अस्त-६।०६

दिन	तिथि ति.	द. प.	घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	
मंगल	१	०८।४९	दि. ९।०२	अ. ११।२७	मेष	३१	१३	वासंती नवरात्रारम्भ, कलशस्थापन, मासान्त,◆
बुध	२	१३।५३	११।०२	भ. २५।५५	मे. रा.१०।३१	१	१४	श्री रेमन्त पूजा, संक्रान्ति, सतुआइन ।
वृह०	३	१९।०७	१।०७	कृ. ३२।२९	वृष	२	१५	श्री गणेश ४ व्रत, मसादि, श्री गौरी ३ व्रत, जूड़िशीतल ।
शुक्र	४	२४।०५	३।०५	रो. ३८।४३	वृष	३	१६	छठि व्रतक नहाय खाय, विवाह, द्विरागमन ।
शनि	५	२८।२४	४।४८	मृ. ४४।१६	वृ. दि.१०।०५	४	१७	छठि व्रतक खरना ।◆आश्वन्यांमेषरविः ५८।१५ ।
रवि	६	३१।४६	सं. ६।०७	आ. ४८।४९	मिथुन	५	१८	छठि व्रतक सायंकालिन अर्घदान, बेलनौती, द्विरागमन।
सोम	७	३३।५८	६।५९	पुन. ५२।१४	मि. रा. ८।००	६	१९	प्रातःकालीन अर्घदान, पत्रिका प्रवेश, निशा पूजा,♎
मंगल	८	३४।५५	रा. ७।२१	पु. ५४।२५	कर्क	७	२०	महाष्टमी व्रत ।♎गृहप्रवेश, कर्णवेध, मुंडन, द्विरा०।
बुध	९	३४।३४	७।१२	श्ले. ५५।२०	क. रा. ३।३०	८	२१	महानवमी व्रत, त्रिशूलिनी पूजा, रामनवमी व्रत ।
वृह०	१०	३३।००	सं. ६।३३	मघा ५५।०५	सिंह	९	२२	विजया दशमी, अपराजिता पूजा, देवी विसर्जन ।
शुक्र	११	३०।१७	५।२७	पूफा. ५३।४६	सिंह	१०	२३	कामदा ११ व्रत सधक, गृहप्रवेश, उपनयन, विवाह ।
शनि	१२	२६।३४	दि. ३।५७	उ.फा. ५१।३२	सिं. दि.८।३९	११	२४	श्री विष्णु १२, गोघृतेन पा०, प्रदोष १३ व्रत, गृहप्रवेश
रवि	१३	२२।०१	२।०७	ह. ४८।३२	कन्या	१२	२५	प्रदोष १४ व्रत, विवाह, षा० रविव्रत समाप्ति ।
सोम	१४	१६।४८	१२।०१	चि. ४४।५७	क. दि.१२।०१	१३	२६	पूर्णिमा व्रत, गृहारम्भ, विवाह, द्विरागमन ।
मंगल	१५	११।०५	९।४३	स्वा. ४०।५९	तुला	१४	२७	चैत्री पूर्णिमा, स्नान-दान, भरण्यांरविः ३९।२९ ।

वैशाख कृष्णपक्ष अप्रैल-मई २०२१ ई०

उदय-५।१६ अस्त-६।१३

दिन	ति.	द. प.		घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	
बुध	१	०५।०५	दि.	७।१८	वि.	३६।५०	तु. दि. २।२५	१५	२८	द्विरागमन, वैशाखे कौशिकी स्नान ।
वृह०	३	५३।००	रा.	२।२७	अनु.	३२।४४	वृश्चिक	१६	२९	गृहारम्भ, कर्णवेध, द्विरागमन ।
शुक्र	४	४७।२१		००।११	ज्ये.	२८।५३	वृ. दि. ४।४७	१७	३०	श्री वक्रतुण्ड ४ व्रत, विवाह, द्विरागमन ।
शनि	५	४२।१२		१०।०६	मूल.	२५।२८	धनु	१८	१	द. ति. रा. १०।०६ उ., गृहारम्भ ।
रवि	६	३७।४५		८।१९	पूषा.	२२।४१	ध. रा. ८।०३	१९	२	विवाह, द. ति. रा. ८।१९ या. ।
सोम	७	३४।१०	सं.	६।५२	उ.षा.	२०।४४	मकर	२०	३	शर्करा सप्तमी, विवाह ।
मंगल	८	३१।३५		५।४९	श्र.	१९।४४	म. रा. १।०२	२१	४	भदवारम्भ दि. १।०५ ।
बुध	९	३०।१०		५।१४	ध.	१९।५२	कुम्भ	२२	५	भ. रा. ५।०८ उ. ।
वृह०	१०	२९।५८		५।०९	श.	२१।११	कुम्भ	२३	६	भ. सं. ५।०९ या. ।
शुक्र	११	३१।०३		५।३४	पू.भा.	२३।४६	कु. दि. ८।२१	२४	७	वरुथिनी ११ व्रत सभक, विवाह ।
शनि	१२	३३।२३		६।२९	उ.भा.	२७।३४	मीन	२५	८	कुशोदकेन पारणा, मधुसूदन द्वादशी ।
रवि	१३	३६।५०	रा.	७।५२	रे.	३२।२८	मी. सं. ६।०७	२६	९	प्रदोष १३ व्रत, भदवा समाप्ति सं. ६।५७, विवाह ।
सोम	१४	४१।११		९।३५	अ	३८।१६	मेष	२७	१०	प्रदोष १४ व्रत ।
मंगल	३०	४६।०८		११।३३	भ.	४४।३८	मेष	२८	११	वैशाखी अमा., स्नान-दान, कृत्तिकायांरविः २७।२९।

वैशाख शुक्लपक्ष मई २०२१ ई०

उदय-५।०६ अस्त-६।२१

दिन	ति.	द. प.		घं. मि.	नक्षत्र	द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	
बुध	१	५१।१६	रा.	१।३६	कृ.	५१।१३	मे. प्रा. ५।३७	२९	१२	विवाह, द्विरागमन, श्री शिवाजी जयन्ती ।
वृह०	२	५६।०९		३।३३	रो.	५७।३३	वृष	३०	१३	चन्द्रदर्शन, उपनयन, विवाह, द्विरागमन, मुंडन ।
शुक्र	३	६०।००		अहोरात्र	मृ.	६०।००	वृ. सं. ५।१७	३१	१४	अक्षय ३, त्रेतायुगादि, परशुराम जयंती, मासान्त ।
शनि	३	००।२६	प्रा.	५।१४	मृ.	०३।१८	मिथुन	१	१५	श्री गणेश ४ व्रत, संक्रान्ति ।
रवि	४	०३।४३	दि.	६।३३	आ.	०८।०६	मि. रा. ३।२६	२	१६	मासादि ।♎कर्णवेध, विवाह ।
सोम	५	०५।५३		७।२४	पुन.	११।४७	कर्क	३	१७	कर्णवेध, मुंडन।
मंगल	६	०६।४७		७।४५	पु.	१४।१४	कर्क	४	१८	सप्तमी पुष्यमे उत्तर बिना यात्रा ।
बुध	७	०६।२४		७।३५	श्ले.	१५।२६	क.दि. ११।१२	५	१९	जाह्नवी सप्तमी, गंगा स्नान-दान ।♍विवाह ।
वृह०	८	०४।४८		६।५६	मघा	१५।२७	सिंह	६	२०	जानकी ९ व्रत, मैथिली दिवस, श्री हनुमद्ध्वजदान ।
शुक्र	९	०२।०३	प्रा.	५।५०	पूफा.	१४।२१	सिं. दि. ४।३५	७	२१	जानकी ९ पारणा, उपनयन, विवाह, मुंडन ।
शनि	११	५३।४१	रा.	२।२९	उफा.	१२।१८	कन्या	८	२२	विजया ११ व्रत गृहस्तक ।❖नरसिंह १४ व्रत ।
रवि	१२	४८।२५		१२।२२	ह.	०९।२७	क. रा. ८।०६	९	२३	विजया ११ व्रत वै०, कुशोदकेन पारणा, उपनयन,♍
सोम	१३	४२।४०		१०।०३	चि.	०५।५८	तुला	१०	२४	प्रदोष १३ व्रत, कर्णवेध, मुंडन, विवाह ।
मंगल	१४	३६।३६		७।३८	स्वा.	०२।०४	तु.रा. १०।३४	११	२५	प्रदोष १४ व्रत, पूर्णिमा व्रत, रोहिण्यांरविः २१।२५,❖
बुध	१५	३०।२७	सं.	५।०९	अनु.	५३।४६	वृश्चिक	१२	२६	वैशाखी पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, स्नान-दान,♎

दिन	तिथि ति.	द. प.		घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	ज्येष्ठ कृष्णपक्ष मई-जुन २०२१ ई० उदय-४।५८ अस्त-६।२८
वृह०	१	२४।२४	दि.	२।४४	ज्ये. ४९।५०	वृ.रा. १२।५४	१३	२७	ज्येष्ठमासेवृतान्तकं त्यजेत्, पूर्वोत्तर यात्रा ।
शुक्र	२	१८।४०		१२।२६	मूल. ४६।१७	धनु	१४	२८	तृतीयामे पूर्वोत्तर यात्रा ।
शनि	३	१३।२५		१०।२०	पू.षा. ४३।२०	ध. रा. ४।०३	१५	२९	श्री गणेश ४ व्रत, तृतीयामे उत्तर यात्रा ।
रवि	४	०८।५२		८।३०	उ.षा. ४१।१०	मकर	१६	३०	विवाह, अ. २६।३८ उ. ४५।०३ या. ।
सोम	५	०५।१०		७।०१	श्र. ३९।५५	मकर	१७	३१	भदवारम्भ रा. ८।५५, कर्णवेध, मुंडन, विवाह ।
मंगल	६	०२।२८		५।५६	ध. ३९।४६	म. दि. ८।५०	१८	१	भ. प्रा. ५।५६ उ. सं. ५।३४ या. ।
बुध	७	००।५४	प्रा.	५।११	श. ४०।४८	कुम्भ	१९	२	।।०।।
वृह०	८	००।३४		५।१०	पू.भा. ४३।०५	कु. दि. ३।५४	२०	३	अष्टमीमे पश्चिम यात्रा ।
शुक्र	९	०१।३१		५।३३	उ.भा. ४६।३५	मीन	२१	४	विवाह, रेवतीमे उत्तर यात्रा ।
शनि	१०	०३।४२		६।२५	रे. ५१।१४	मी. रा. १।२६	२२	५	भदवा समाप्ति रा. १।२६ ।
रवि	११	०७।०१	दि.	७।४५	अ. ५६।५०	मेष	२३	६	अपरा ११ व्रत सभक, विवाह ।
सोम	१२	११।१४		९।२६	भ. ६०।००	मेष	२४	७	तिलेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत ।
मंगल	१३	१६।०५		११।२२	भ. ०३।०६	मे.दि. १२।५०	२५	८	प्रदोष १४ व्रत, मृगशिरायांरवि: २०।११ ।
बुध	१४	२१।०८		१।२३	कृ. ०९।४०	वृष	२६	९	।।०।।❀स्प०-दि. ३।२० मोक्ष ५।०७ ।
वृह०	३०	२५।५८		३।११	रो. १६।०५	वृ. रा.१२।३४	२७	१०	ज्येष्ठी अमावास्या, वटसावित्री व्रत, सूर्यग्रहण❀

दिन	तिथि ति.	द. प.		घं. मि.	नक्षत्र द. प.	चन्द्रमा घं. मि.	ने. गते.	अं. ता.	ज्येष्ठ शुक्लपक्ष जून २०२१ ई० उदय-४।५६ अस्त-६।३५
शुक्र	१	३०।११	सं.	५।०१	मृ. २१।५७	मिथुन	२८	११	चन्द्रदर्शन, विवाह ।
शनि	२	३३।२९		६।२०	आ. २६।५८	मिथुन	२९	१२	पुनर्वसौ मे दक्षिण पश्चिम यात्रा ।
रवि	३	३५।३९	रा.	७।१२	पुन. ३०।५४	मि.दि.१०।५७	३०	१३	रम्भा तृतीया, पंचाग्नि व्रत ।
सोम	४	३६।३४		७।३४	पु. ३३।३८	कर्क	३१	१४	श्री वक्रतुण्ड ४ व्रत, मासान्त ।
मंगल	५	३६।१२		७।२५	श्ले. ३५।०६	क. सं. ६।५९	१	१५	संक्रान्ति, ग. १२।५३ उ. २५।०३ या. ।
बुध	६	३४।३७		६।४७	मघा ३५।२२	सिंह	२	१६	मासादि, वज्रयोगमान ५५।४८ ।
वृह०	७	३१।५३	सं.	५।४१	पूफा. ३४।३०	सिं.रा.१२।३५	३	१७	भ. सं. ५।४१ उ. ।
शुक्र	८	२८।०८	दि.	४।१२	उ.फा. ३२।३८	कन्या	४	१८	भ. प्रा. ४।५९ या. ।♎विवाह ।
शनि	९	२३।३३		२।२२	ह. २९।५६	क. रा. ४।१६	५	१९	गृहारम्भ, गृहप्रवेश ।♍उपनयन, मुंडन, विवाह ।
रवि	१०	१८।१६		१२।१५	चि. २६।३४	तुला	६	२०	गंगा दशहरा, गंगा स्नान-दान, उपनयन, विवाह ।
सोम	११	१२।२९		९।५७	स्वा. २२।४४	तुला	७	२१	निर्जला ११ व्रत सभक, गृहारम्भ, गृहप्रवेश,♍
मंगल	१२	०६।२३		७।३१	वि. १८।३७	तु. प्रा. ६।४९	८	२२	तिलेन पारणा, त्रिविक्रम १२, प्रदोष १३ व्रत,❀
बुध	१३	००।११	प्रा.	५।०२	अनु. १४।२६	वृश्चिक	९	२३	प्रदोष १४ व्रत ।❀आर्द्रायांरवि: २२।२६ ।
वृह०	१५	४८।१५	रा.	१२।१६	ज्ये. १०।२४	वृ. दि. ९।०७	१०	२४	ज्येष्ठी पूर्णिमा, स्नान-दान, पूर्णिमा व्रत, गृहारम्भ,♎

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	आषाढ़ कृष्णपक्ष जून-जुलाई २०२१ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-४।५८ अस्त-६।३९
शुक्र	१	४२।५५	रा. १०।०८	मूल. ०६।४४	धनु	११	२५	विवाह, विल्वमाषाढ़ेक त्यजेत् ।
शनि	२	३८।१६	८।१७	पू.षा. ०३।३७	ध. दि.१२।०९	१२	२६	गृहारम्भ, पू.षा. मे उत्तर यात्रा ।
रवि	३	३४।२७	सं. ६।४५	उ.षा. ०१।१४	मकर	१३	२७	श्री विघ्नराज ४ व्रत, भद्वारंभ प्रा. ५।२८,❁
सोम	४	३१।३७	५।३८	ध. ५९।१९	म. दि. ४।४४	१४	२८	विवाह ।❁विवाह, सौराठ सभा आरम्भ ।
मंगल	५	२९।५५	दि. ४।५७	श. ६०।००	कुम्भ	१५	२९	॥०॥
बुध	६	२९।२७	४।४६	श. ००।०२	कु.रा. ११।३३	१६	३०	भ. दि. ४।४६ उ. रा. ४।५२ या. ।
बृह०	७	३०।१५	सं. ५।०६	पू.भा. ०२।००	मीन	१७	१	विवाह, द.ति.सं. ५।०५ उ. ।
शुक्र	८	३२।१८	५।५५	उ.भा. ०५।१४	मीन	१८	२	द.ति.सं. ५।५५ या. ।
शनि	९	३५।२९	रा. ७।१२	रे. ०९।३६	मी. दि.८।५१	१९	३	भदवा समाप्ति दि. ८।५१ ।
रवि	१०	३९।३६	८।५१	अ. १४।५९	मेष	२०	४	विवाह, अश्विनीमे पश्चिम बिना यात्रा ।
सोम	११	४४।२२	१०।४६	भ. २१।०६	मे. रा. ८।०६	२१	५	योगिनी ११ व्रत सभक ।
मंगल	१२	४९।२३	१२।४७	कृ. २७।३७	वृष	२२	६	यवचूर्णेन पारणा, पुनर्वसौरविः २६।३३ ।
बुध	१३	५४।१२	२।४३	रो. ३४।०५	वृष	२३	७	प्रदोष १३ व्रत, विवाह, सौराठ सभा समाप्ति ।
बृह०	१४	५८।२६	४।२५	मृ. ४०।०५	वृ. दि. ७।५४	२४	८	प्रदोष १४ व्रत ।
शुक्र	३०	६०।००	अहोरात्र	आ. ४५।१८	मिथुन	२५	९	॥०॥
शनि	३०	०१।४६	प्रा. ५।४६	पुन. ४९।२९	मि. सं. ६।२८	२६	१०	आषाढ़ी अमावास्या, स्नान-दान ।

	तिथि			नक्षत्र	चन्द्रमा	ने.	अं.	आषाढ़ शुक्लपक्ष जुलाई २०२१ ई०
दिन	ति.	द. प.	घं. मि.	द. प.	घं. मि.	गते.	ता.	उदय-५।०४ अस्त-६।३९
रवि	१	०४।००	दि. ६।४०	पुष्य. ५२।२९	कर्क	२७	११	ग्रीष्म नवरात्रारम्भ, कलशस्थापन, चन्द्रदर्शन ।
सोम	२	०४।५९	७।०४	श्ले. ५४।१३	क. रा. २।४६	२८	१२	श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, रेमन्त पूजा, उपनयन ।
मंगल	३	०४।४२	६।५७	मघा ५४।४४	सिंह	२९	१३	श्री गणेश ४ व्रत, भ. सं. ६।४३ उ. ।
बुध	४	०३।१०	६।२१	पू.फा. ५४।०६	सिंह	३०	१४	गृहप्रवेश, उपनयन, विवाह, भ. प्रा. ६।२१ या.।
बृह०	५	००।३०	प्रा. ५।१७	उ.फा. ५२।२६	सिं. दि.८।३६	३१	१५	विवाह, षष्ठीमानं ५६।१९ ।
शुक्र	७	५२।१६	रा. २।००	ह. ४९।५४	कन्या	३२	१६	मासान्त, मघार्वासिंहेशुक्रः १३।४८ ।
शनि	८	४७।०९	११।५५	चि. ४६।३९	क.दि. १२।२७	१	१७	संक्रान्ति, सिद्धयोगमानं ५३।०४ ।
रवि	९	४१।१५	९।३७	स्वा. ४२।५३	तुला	२	१८	मासादि, करमूले पुलिकमूलबंधन ।
सोम	१०	३५।१०	७।११	वि. ३८।४८	तु. दि. ३।०३	३	१९	गृहप्रवेश, अनुराधामे पश्चिमोत्तर यात्रा ।
मंगल	११	२८।५७	दि. ४।४३	अनु. ३४।३६	वृश्चिक	४	२०	हरिशयन ११ व्रत सभक, पुष्येरविः २९।५९ ।
बुध	१२	२२।४८	२।१६	ज्ये. ३०।३०	वृ. सं. ५।२०	५	२१	यवचूर्णेन पारणा, प्रदोष १३ व्रत, गृहप्रवेश,□
बृह०	१३	१६।५७	११।५६	मूल. २६।४२	धनु	६	२२	प्रदोष १४ व्रत, गृहप्रवेश ।□वासुदेव १२ ।
शुक्र	१४	११।३४	९।४७	पू.षा. २३।२५	ध. रा. ८।१४	७	२३	पूर्णिमा व्रत, गृहारम्भ ।□स्नान-दान ।
शनि	१५	०६।५१	७।५४	उ.षा. २०।५१	मकर	८	२४	आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा, गुरु व्यास पूजा, गृहप्रवेश,□

आवश्यक व्यावहारिक मन्त्र :

रक्षा बन्धन : येन बन्धो वली राजा दानवेन्द्रो महाबलः ।
तेनत्वाप्रतिवध्नामि रक्षे माचल माचलः ॥

कुशोत्पाटन : कुशाग्रे वस्ते रूद: कुशमध्ये तु केशवः । कुशमूले वसेद् ब्रह्मा कुशन्मे देहि मेदिनि ।
कुशोऽसिकुशपुत्रोऽसि ब्रह्मणा निर्मिता पुरा । देवपितृ हितार्थाय कुशमुत्पाट्याम्यहम् ॥

चौठचन्द्र : सिंहः प्रसेनवमवधीत सिंहो जाम्बवताहतः । सुकुमारक मारो दीपस्तेह्यषव स्यमन्तकः ।

प्रार्थना : दधिसंखतुषाराभम् क्षीरोदार्णव सम्भवम् । नमामि शशिनं भक्त्वा संभोर्मुकुट भूषणम् ॥

उल्का भ्रमण : शास्त्राशस्त्रहतानांच भूतानांभूत दर्शयो: । उज्ज्वल ज्योतिषा देहं निदहेव्योमवह्निना ।
अग्निदग्धाश्च ये जीवा येऽप्यदग्धा: कुले मम । उज्ज्वल ज्योतिषा दग्धास्ते यान्तु परमाङ्गतिम् ॥
यमलोकं परित्यज्य आगता महालये ॥ उज्ज्वलज्योतिषा वर्त्म पश्यन्तो व्रजन्तुते ॥

अगस्त्यार्घदान : कुम्भयोनिसमुत्पन्न मुनीना मुनिसत्तम् । उदयन्ते लंकाद्वारे अर्घोऽयंप्रतिगृह्यताम् ।
शंख पुष्पं फलं, तोयं रत्नानि विविधानि च । उदयन्ते लंकाद्वारे अर्घोऽयंप्रतिगृह्यताम् ॥

प्रार्थना : आतापि भक्षितो येन वातापि च महाबलः । समुद्र शोषितो ये न स मेऽगस्त्य प्रसीदत् ॥

अनन्त : ॐ अनन्त संसार महासमुद्रे मग्नास्या अभ्युद्धर वासुदेव ।
अनन्त रूपे विनियोजयस्य अनन्त रूपायनमोनमस्ते ॥

देवोत्थान : ब्रह्मेन्द्ररुद्ररभिवन्द्यमानो भवानुषिर्वन्दित वन्दनीयः । प्राप्ता तवेयं किलकौमुदाख्या जागृष्व जागृष्व च लोकनाथ ॥ मेघा गता निर्मल पूर्णचन्द्रः शारद्यपुष्पाणि मनोहराणि । अहं ददानीति च पुण्यहेतो जागृष्व जागृष्व च लोकनाथ । उत्तिष्ठोतिष्ठ गोविन्द त्यज निन्द्रां जगत्पते । त्यव चोत्थीय मानेन उत्थितं भुवनत्रयम् ।

घटदान विधि : ॐ वरिपूर्णघटाय नमः ३ । ॐ ब्राह्मणाय नमः ३ । ॐ अद्येत्यादि मेषार्क संक्रमण प्रयुक्तपुण्याहे अमुकगोत्रस्य पितुः (गोत्राया मातु) अमुक शर्मा (देव्या) स्वार्गकामः (कामा) इमं वारिपूर्ण घट यथानामगोत्राय ब्राह्मणाय अहंददे । ॐ अद्यकृतैत् वारिपूर्णघटदान प्रतिष्ठार्थम् एतावद्द्रव्यमूल्यक हिरण्यमग्निदेवतं यथानामगोत्राय ब्राह्मणाय दक्षिणा महंददे ।

दूर्वाक्षत मन्त्र : ॐ आब्रह्मन् ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चसौ जायतामाराष्ट्रे राजन्यः शूर इषव्योऽतिव्याधि महारथी जायताम् दोग्ध्री धेनुर्वोढाऽनड्वानाशुः सप्ति पुरन्ध्रियोषा विष्णुरथेष्ठा सभेयो युवाऽस्ययजमानस्य विरोजायताम् निकामे निकामे नः पर्ज्जन्यो वर्षतु फलवत्यो न ओषधयः पच्यन्ताम् योगक्षेमोन कल्पताम् मन्त्रार्थाय सिद्धयः सन्तु पूर्णा सन्तु मनोरथा शत्रुणां बुद्धिनाशोस्तु मित्राणामुदयस्तव ।

वाजसनेयी धारण यज्ञोपवीत मन्त्र : ॐ यज्ञोपवीतम् परमम पवित्रं प्रजापतेर्यतसहजं पुरस्तात् । आयुष्यमग्रयं प्रतिमृञ्च शुभ्रं यज्ञोपवीतम् बलमस्तुतेजः ।

छन्दोग : ॐ यज्ञोपवीतमसि यज्ञस्य त्वोपवीतेनोपनह्यामि ।

संक्षिप्त वैतरणी दान

ॐ कृष्णगव्यै नमः ३ । ॐ ब्राह्मणाय नमः ३ । ॐ उष्मे वर्षति शीते वा मारुते वाति वा भृषम् । दातारं त्रायते यस्मात्तस्माद्वैतरणी स्मृता । यमद्वारे महाघोरे कृष्णां वैतरणी नदी । तासन्तर्तुन्ददाम्येनं कृष्णां च गाम् । इति पठित्वा कूशत्रयतिलजलान्यादाय–"ओमद्यामुकगोत्रस्य पितुरमुकशर्मण यमद्वार स्थित-वैतरणीनदी सुखसन्तरणकाम इमां कृष्णांगांरुद्रदैवताममुकगोत्रायऽमुक शर्मणे ब्राह्मणाय तुभ्यमेहं सम्प्रददे" ओ स्वस्तीति प्रतिवर्चनम् । ओमद्य कृतैतत् कृष्णगवीदानप्रतिष्ठार्थमेतावद्द्रव्यमूल्यक हिरेण्यमग्निदैवतम्–दक्षिणा । प्रतिग्रहीता ॐ स्वस्तीत्युक्त्वा गोपुच्छं गृहणन् यथा साखं कामस्तुति पठेत् । गोसन्निधाने ॐ एतावद्द्रव्यमूल्यक कृष्णगव्यै नमः पूर्ववत् ।

संक्षिप्त दाह-संस्कार

कर्त्ता स्नान कए नूतनवस्त्रादि पहीरि पूर्वमुह बैसि नूतनमृत्तिका पात्रमे जल अभिमन्त्रित करथि–ॐ गयादीनि च तीर्थनि ये च पुण्याः शिलोच्चयाः । कुरुक्षेत्रं च गङ्गा च यमुनां च सरिद्वराम् ॥ कौशाकि चन्द्रभागाञ्च सर्वपापप्रणाशिनीम् ॥ भद्रावकाशां सरयू गण्डकी तमसान्तया । धैनवञ्च वराहञ्च तीर्थपीण्डारकन्तथा । पृथिव्यां यानि तीर्थानि चतुरः सागरास्तथा । मनसँ ध्यान करैत जलसँ दक्षिण सिर शवकेँ स्नान करा नूतन वस्त्रद्वयं यज्ञोपवित पुष्प चन्दनादिसे अलंकृत कय चिता पर उत्तर मुँह अधोमुख पुरुष के तथा स्त्रीगणके उत्तान शयन करा, अपसव्य भय दक्षिणाभिमुख भय वाम हाथमे ऊक लय–ॐ देवश्चाग्निमुखाः सर्वे कृतस्नपनं गतायुषमेनं दहन्तु । मनमे ध्यान करैत–ॐ कृत्वा सुदुष्करं कर्म जानता वाप्यजानता । मृत्यूकालवशं प्राप्तं नरं पञ्चत्वमागतम् । धर्माधर्मसमायुक्तं लोकमोहसमावृतम् । दहेयं सर्वगात्राणि दिव्याल्लोकान् स गच्छतु । इति मन्त्रद्वयं पठित्वा त्रिः प्रदक्षिणीकृत्यज्वलदुल्मुकं-शिरो देशे दद्यात् । ततस्तृणकाष्टघृतादिकं चितायां निक्षिप्य कपोतावशेषं दहेत । ततः प्रदेश मात्र सप्तकाष्टकाभिः सह प्रदक्षिणा सप्तकं विधाय कुठारेण उल्मुकं प्रति प्रहार सप्तकं निधाय क्रव्यादाय

नमस्तुभ्यमित्येकैकां काष्टिकामग्नौ क्षिपेत् । ततः ॐ अहरहर्नयमानो गामश्वं पुरुषं पशुम् । वैवस्वतो न तृप्यति सुराभिरिव दुर्मतिः । इति यमगाथा गायन्तो बालपुरस्सराः वृद्धपश्चिमं पादेन पादस्पर्शम् अकुर्वाणाः जलाशयं गच्छेयु । ओमद्यामुकगोत्रःऽमुक प्रेत एष तिलतोयाञ्जलिस्ते मया दीयते तवोप्रतिष्ठताम् । बादमे लोहा, पाथर, आगिक स्पर्श ।

मुहुर्त विचार

विवाह : शुद्ध समय, सौर मास, वैसाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, अग्रहण, माघ, फाल्गुन । दिन–र, सो, बु, वृ ।

शुभ नक्षत्र : रो, मू, उ, ३ म, ह, स्वा, अनु, मृ, रे । पारस्करमतं अ, चि, म, ध । तिथि ४, ९, १४, ३० रहित ।

द्विरागमन : विषमवर्ष सौम्यमास अग्रहण, कार्तिक, बैशाख । नक्षत्रः अ, रो, मृ, पुन, ३ ह, चि, स्वा, अनु, मू० अ, व, रे, दिन पूर्वोक्त । शुक्ल पक्ष कृष्ण ५ धरि शुक्रोदय यात्रोक्त थिक ।

उपनयन : शुद्ध समय उत्तरायन (माघ सँ आषाढ़) दिन : र, सो, बु, वृ, शु, तिथि २, ३, ५, १०, ११, १२, पक्ष शु, कृ. ५ धरि । नक्षत्र : अ, रो, मृ, पु, ह, चि, स्वा, ज्ये, पूर्वा ३ श्र, ध, श, रे, प्रदोष रहित ।

मुण्डन : विषमवर्ष शुक्ल पक्ष चैत, पूस चर्तुमास ओ शनि मंगल वर्जित तिथि २, ३, ९, १०, ११, १३, ओ शुभ नक्षत्र लग्न ।

यात्रा : प्रशस्त नक्षत्र अ, पु, ह, अनु., मृ, श्र, रे । त्याज्य भ, कृ, आ, श्ले, म, उ, ३ वि, शेष मध्यम दिकशूल अधपहरा रहित अमृतादियोगमे सम्मुख चन्द्र कृष्णपक्ष मे तारा ।

चन्द्रविचार : मे, सि, ध, पूर्व कन्या, वृष, मकर, दक्षिण, मि, तु, कु, पश्चिम, कर्क वृश्चिक मीन उत्तर ।